परिशिष्ट

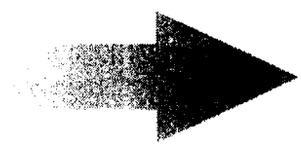

परिशिष्ट - 1

(साहित्यकार कुसुम कुमार जी को शोधार्थी द्वारा भेजी गई प्रश्नावली के प्राप्त उत्तर)

कुसुम कुमार -

1. आपका शुभ नाम

- डा.श्रीमती कुसुम कुमार

2. जन्म तिथि

- 5 अगस्त, 1939

3. बचपन का नाम

- तोषी

4. प्रायमरी शिक्षा

- सरस्वती विद्यालय, दरियागंज, दिल्ली

5. हायस्कूल शिक्षा

- सरस्वती विद्यालय, दरियागंज, दिल्ली

6. महाविद्यालयीन शिक्षा

- पंजाब विश्वविद्यालय, चंड़ीगढ़ से

7. पारिवारिक जीवन संबंधी जानकारी

- पति व पिता दोनों ही तरफ मध्यवर्गीयता। किन्तु सुखी व प्रसन्नतापूर्ण जीवन। पांच भाइयों की एक अकेली बहन मैं - जो आज एक साहित्यकार के रूप में जानी जाती है। पारिवारिक परंपराओं की भी पूरी तरह पक्षधर हूं।

8. माता - पिता

- धर्मपरायण, कर्मठ, घोर परिश्रमी, हम बच्चों को भी सदा नीतिपरक पाठ पढ़ाने वाले। काफी हद तक शिक्षित भी। सुंदर व्यक्तित्व वाले, मर्यादाशील।

9. विवाह कब हुआ

- 10 अगस्त सन् 1959 को दिल्ली में ही संपन्न हुआ। प्रेमविवाह नहीं प्रबन्धित विवाह। किन्तु सफल,अत्यंत प्रेमल पति।

10.वैवाहिक जीवन

- कम शब्दों में, पूर्णतः सफल .....

11.संताने, संप्रति क्या कर रहे हैं

- दो संताने। एक पुत्र, एक पुत्री। पुत्र चार्टड अकाउन्टैंड है तथा पुत्री अमेरिका में बसी है, विवाहित हैं दोनों बच्चे।

12.साहित्य सृजन की प्रारंभ

- 1975 में प्रारंभ किया। प्रथम पुस्तक एक कविता संग्रह। जिसका शीर्षक है - "तृष्णांकित" तदुपरान्त नाटय लेखन का सिलसिला पुनः उपन्यास, एकांकी आदि, विचार लेख ...

13.प्रथम कृति

- तृष्णांकित, (कविता संग्रह)

14.साहित्य के क्षेत्र में आदर्श

- जैनेन्द्र कुमार जैन, अज्ञेय, चित्रा मुद्गल

15.साहित्य पथ के साथी

- जीवन के खट्टे - मीठे अनुभव, निजीजनों की शुभकामनायें प्रेरणायें ....

16.मान, सम्मान, उपाधियाँ, पुरस्कार

- 1. साहित्यिक कृति पुरस्कार, सन् 1981-82
  2. साहित्यिक कृति पुरस्कार, सन् 1988-89
  3. साहित्यिक योगदान पुरस्कार, सन् 1998-99
  अनेक अन्य ट्राफी, स्मृति चिन्ह वगैरह

17.वेशभूषा

- साड़ी, सलवार कमीज, दुपट्टा सादगीयुक्त

18.केशभूषा

- बंधे हुये, संवरे हुये बाल

19.खानपान

- निरामिष सादा भोजन। मांसाहारी हमारे परिवार में कोई नहीं।

20.अब तक कितने छात्रों ने आपके साहित्य पर पीएच्.डी.किए हैं। उनका शुभनाम और विश्वविद्यालय का नाम।

- अब तक सात विद्यार्थियों ने (एम्.फिल सहित) मुझ पर शोध किया है। एक दिल्ली विश्वविद्यालय से, एक धारवाड़ विश्वविद्यालय से, शेष सभी महाराष्ट्र के विभिन्न विश्वविद्यालयों से। नाम पते अधिकांश के याद नहीं सिवा सविता लोंढ़े जो औरंगाबाद के अम्बेडकर विश्वविद्यालय से पीएच्.डी. कर रही हैं। जो मिलने भी आई थी तथा जो अच्छा काम कर रही हैं।

परिशिष्ट - 2

(कुसुम कुमार द्वारा लिखित पत्र)

ॐ

न. दिल्ली
30. 6. 006

डा. कुसुम कुमार

प्रिय कड़ीमाली बजरंग शंकर जी

आपका तथा आपके निर्देशक महोदय का पत्र एवं प्रश्नावली प्राप्त हुई। यथाशक्ति व समझ बूझ के अनुरूप आपके अपेक्षित उत्तर भेज रही हूँ जिनसे आपका काम चल जायेगा। अपने निर्देशक जी से मेरा सादर प्रणाम कहें।

आपके लिये शुभकामनायें व स्नेह

आपकी शुभाकांक्षी
कुसुम कुमार
30. 6. 006

पुनः आपकी सफलता के लिये स्नेहाशीष।

12/9, सर्व प्रिय विहार, नई दिल्ली-110016 दूरभाष: 26966647
9871121037